| शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली<br>वार्षिक पाठ्यक्रम (2025-26)<br>कक्षा: 8, विषय: हिंदी | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **क्र.सं** | **वसंत (भाग-3) पाठ-संख्या, शीर्षक व लेखक** | **विधा/ विषयवस्तु** | **व्याकरण और रचनात्मक लेखन** | **अधिगम उद्देश्य** | **अधिगम संप्राप्ति** | **सुझावात्मक गतिविधि/क्रियाकलाप** |
| 1 | **लाख की चूड़ियाँ**<br>(कामतानाथ) | **विधा: कहानी / औद्योगीकरण का प्रभाव**<br><br>पारंपरिक ग्रामीण लघु एवं कुटीर उद्योगों के दिन-प्रतिदिन लुप्तप्राय होने के कारण पेशेवर कारीगरों की व्यथा का वर्णन। | **पूर्ववर्ती कक्षाओं से ली गई विषय वस्तु-**<br>**कक्षा-6** संज्ञा: भेद व प्रयोग<br>**कक्षा-7** संज्ञा भेद,पहचान, उदाहरण<br>**व्याकरण-**<br>• पाठांतर्गत व्याकरणिक बिंदुओं का अभ्यास<br>• आँचलिक शब्दों का उच्चारण, प्रयोग<br>• उपसर्ग एवं प्रत्यय<br>• पर्यायवाची शब्द<br>**रचनात्मक लेखन-**<br>• 'मशीनी युग का मानव जीवन पर प्रभाव' विषय पर अनुच्छेद | • कहानी विधा से परिचित हो सकेंगे ।<br>• पारंपरिक परिवेश और वस्तुओं के प्रति रुचि उत्पन्न कर सकेंगे ।<br>• लघु कुटीर उद्योगों की परंपरा और संस्कृति के प्रति संवेदनशील हो सकेंगे ।<br>• पाठांतर्गत प्रस्तुत नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिंदुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे। | • विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं, जैसे- पाठ्यपुस्तक में किसी पक्षी के बारे में पढ़कर पक्षियों पर लिखी गई सालिम अली की किताब पढ़कर चर्चा करते हैं।<br><br>• हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री आदि) को | • वाद-विवाद: मशीन युग का मानव जीवन पर प्रभाव।<br>• कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) विषय पर चर्चा। |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | **कक्षा - 8**<br>**कार्यपत्रक सं.-** 1-4, 12-17 | | समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।<br><br>• पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।<br>• अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं।<br>• पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक | |
| **2** | **बस की यात्रा** (हरिशंकर परसाई) | **विधा: व्यंग्य / व्यवस्था केंद्रित**<br><br>व्यंग्य के माध्यम से यातायात संबंधी दुर्व्यवस्था एवं मानवीय व्यवहार पर टिप्पणी | **पूर्ववर्ती कक्षाओं से ली गई विषय वस्तु-**<br>**कक्षा-6** भाषा और लिपि: पहचान<br>**कक्षा-7** भाषा और लिपि: प्रयोग<br><br>**व्याकरण-**<br>• पाठांतर्गत व्याकरणिक बिंदु<br>• विशेषण: पहचान व भेद<br>• अपठित गद्यांश का अभ्यास<br><br>**रचनात्मक लेखन-**<br>• अपनी किसी यात्रा के अनुभव को साझा करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। | • कहानी विधा से परिचित हो सकेंगे<br>• सस्वर वाचन में सक्षम हो सकेंगे ।<br>• व्यवस्था में व्याप्त कमियों को रेखांकित कर सकेंगे।<br>• कहानी का सार अपने शब्दों में लिख सकेंगे ।<br>• पाठांतर्गत प्रस्तुत व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे। | | • 'व्यवस्था के प्रति हमारा कर्तव्य' विषय पर समूह चर्चा।<br>• व्यंग्य आधारित विषयवस्तु पठन। |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | • विद्यालय द्वारा आयोजित 'शैक्षिक भ्रमण' का अनुभव लिखिए।<br><br>**कक्षा - 8**<br>**कार्यपत्रक**<br>**सं.**5,6,19,21,23,25,27 | | /सांकेतिक भाषा में बताते हैं।<br><br>• विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों, जैसे- जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाज़ों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं, जैसे-अपने मोहल्ले के लोगों से त्योहार मनाने के तरीके पर बातचीत करना। | |
| **3** | **दीवानों की हस्ती**<br>(भगवतीचरण वर्मा) | **विधा- कविता/ मनमौजीपन**<br><br>कविता के माध्यम से जीवन की राह में उत्साह, अलमस्ती और चलायमान होने के गुण का वर्णन | **पूर्ववर्ती कक्षाओं से ली गई विषय वस्तु-**<br>**कक्षा 6-** पर्यायवाची शब्द<br>**कक्षा-7-** क्रिया शब्दों की पहचान<br>**व्याकरण-**<br>• पाठांतर्गत व्याकरणिक बिंदु<br>• कविता में आए क्रिया शब्दों की सूची बनाना।<br>• कविता से शब्दों को चुनकर उनके पर्यायवाची शब्दों का लेखन।<br>(जैसे- उल्लास- ख़ुशी,हर्ष,प्रसन्नता आदि)<br>**रचनात्मक लेखन-** | • काव्य विधा से परिचित हो सकेंगे।<br>• भावानुकूल सस्वर वाचन कर सकेंगे।<br>• कविता के मूलभाव को अपने शब्दों में लिख सकेंगे ।<br>• सुख-दुःख के समांतर चलायमान होने के गुण को आत्मसात कर सकेंगे ।<br>• पाठांतर्गत प्रस्तुत व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे। | • किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। उसके कारण जानने की कोशिश करते हैं, जैसे- अपने आस-पास रहने वाले परिवारों और उनके रहन-सहन पर सोचते हुए प्रश्न करते हैं- जैसे रामू काका की बेटी स्कूल क्यों नहीं जाती? | • जीवन में मस्ती का आलम कैसा होना चाहिए? चर्चा कीजिए।<br>• इस कविता से हमें सफलता-असफलता जैसी प्रत्येक स्थिति में आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा मिलती है। असफलता की स्थिति में हम किस प्रकार आगे बढ़ते रह सकते हैं? समूह में चर्चा करने के पश्चात् कुछ बिंदु |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | • कविता का सार अपने शब्दों में लिखना।<br>• कविता में आए जटिल शब्दों के अर्थ लिखकर उनका वाक्य प्रयोग कीजिए।<br><br>**कक्षा - 8**<br>**कार्यपत्रक सं- 18,20,22** | | • विभिन्न प्रकार की सामग्री, जैसे कहानी, कविता, लेख, रिपोर्ताज, संस्मरण, निबंध, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु को खोजते हैं। | निर्धारित कर कक्षा में प्रस्तुत करें। |
| **4** | **भगवान के डाकिए**<br>(रामधारी सिंह 'दिनकर') | **विधा- कविता/ विश्व-बंधुत्व**<br>प्रकृति के माध्यम से विश्व-बंधुत्व की भावना को दर्शाने वाली कविता | **पूर्ववर्ती कक्षाओं से ली गई विषय वस्तु-**<br>**कक्षा 6:** लिंग, वचन: पहचान<br>**कक्षा 7:** लिंग, वचन: भेद<br>**व्याकरण-**<br>• पाठांतर्गत व्याकरणिक बिंदु<br>• लिंग और वचन के अनुसार वाक्य में परिवर्तन का अभ्यास<br>**रचनात्मक लेखन-**<br>• संचार के पारंपरिक और आधुनिक माध्यमों की प्रकृति और उपयोगिता | • कविता विधा से परिचित हो सकेंगे<br>• भावानुकूल सस्वर वाचन में समर्थ हो सकेंगे ।<br>• देश की सीमाओं से परे विश्व-बंधुत्व की भावना को रेखांकित कर सकेंगे ।<br>• मानवता के कल्याण में प्रकृति की भूमिका का विश्लेषण कर सकेंगे ।<br>• पाठांतर्गत प्रस्तुत व्याकरणिक बिंदुओं से | • पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।<br><br>• विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।<br><br>• कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं, जैसे- वर्णनात्मक, | • डाक टिकट, पोस्ट कार्ड, अंतरदेशीय पत्र, लिफ़ाफ़ा आदि का संकलन और उसमें अपने सहपाठी को पत्र लेखन।<br>• प्रवासी पक्षियों के विषय पर चर्चा। |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | पर अनुच्छेद लेखन/चित्र वर्णन<br><br>**कक्षा - 8**<br>**कार्यपत्रक संख्या:**<br>18,27,04,G-15 | अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे । | विवरणात्मक, भावात्मक, प्रकृति चित्रण आदि।<br>• विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं और | |
| | **केवल पढने के लिए- कदम मिलाकर चलना होगा**<br>(अटल बिहारी वाजपेयी)<br>विधा- कविता/ प्रेरक | कुछ पाठ केवल पढ़ने के लिए दिए गए हैं, जो कहीं पाठ के विषय को पोषित करते हैं और कहीं रचना की विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रुचि का विस्तार करते हैं। | | | अपने स्तरानुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं।<br>• किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए ज़रूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे- | |
| **5** | **क्या निराश हुआ जाए**<br>(हजारी प्रसाद द्विवेदी) | **विधा- निबंध/जीवन-संघर्ष**<br><br>जीवन के अनुभवों से सीखते हुए निराश होने के बजाए उससे जूझते | **पूर्ववर्ती कक्षाओं से ली गई विषय वस्तु-**<br>**कक्षा-6:** विपरीतार्थक शब्द<br>**कक्षा-7:** पर्यायवाची शब्द<br>**व्याकरण-**<br>• पाठांतर्गत व्याकरणिक बिंदु | • 'निबंध' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे।<br>• भावानुकूल एवं सस्वर वाचन में सक्षम हो सकेंगे। | शब्दकोश, विश्वकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।<br>• पढ़ने और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते | • आशा का प्रवाह करती प्रेरक कहानी का वाचन<br>• 'आशा बनाम निराशा' विषय पर पोस्टर निर्माण |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | हुए आगे बढ़ने की प्रवृत्ति का विकास। | • द्वंद्व समास<br>• अपठित गद्यांश अभ्यास<br>**रचनात्मक लेखन**<br>• आपके क्षेत्र की सड़क बहुत ख़राब अवस्था में है जिससे दुर्घटना होने की संभावना है। लोक निर्माण विभाग को समाधान हेतु पत्र लिखिए।<br>• अनुच्छेद लेखन/चित्र वर्णन का अभ्यास<br><br>**कक्षा - 8**<br>**कार्यपत्रक सं-** 02,28,G-18,G-19 | • जीवन में सकारात्मकता का समावेश कर सकेंगे ।<br>• जीवन पहलुओं से जुड़े शब्द जैसे- कठिनाई, संघर्ष, मानवीय चेतना आदि से परिचित हो सकेंगे।<br>• पाठांतर्गत प्रस्तुत व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे । | हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं।<br>• पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित या ब्रेल भाषा में अभिव्यक्ति करते हैं।<br>• भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे-कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना।<br>• विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं, जैसे- स्कूल के किसी कार्यक्रम की रिपोर्ट बनाना | • निजी अनुभवों को साझा करना जहाँ किसी ने आपकी सहायता की हो<br>• विलोम शब्द प्रश्नोत्तरी का आयोजन (जो अनुभवों से संबंधित हो जैसे- आशा-निराशा, उम्मीद-नाउम्मीद, ख़ुशी-दुःख) |
| **6** | **यह सबसे कठिन समय नहीं** (जया जादवानी) | **विधा- कविता / जिजीविषा**<br><br>आशावान बने रहने के लिए प्रेरित करती कविता | **पूर्ववर्ती कक्षाओं से ली गई विषय वस्तु-**<br>**कक्षा 6 मुहावरे:** अर्थ<br>**कक्षा 7 मुहावरे:** वाक्य प्रयोग<br>**व्याकरण-** | • 'कविता' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे।<br>• भावानुकूल एवं सस्वर वाचन में सक्षम हो सकेंगे। | | • संघर्ष के माध्यम से विजय प्राप्त करनेवाले महानायकों का संक्षिप्त विवरण देते हुए सचित्र सूची बनाएँ। |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | • पाठांतर्गत व्याकरणिक बिंदु<br>• मुहावरे: अर्थ व वाक्य प्रयोग<br>• योजक चिह्नों का प्रयोग<br>**रचनात्मक लेखन-**<br>• जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के उपाय बताते हुए छोटे भाई/छोटी बहन को पत्र<br>• जीवन-संघर्ष पर आधारित पठित/अपठित पद्यांश का अभ्यास<br>**कक्षा - 8**<br>**कार्यपत्रक सं.-** 20,04,G-21 | • कविता का सार लिख सकेंगे ।<br>• जीवन में आशा का संचार कर सकेंगे ।<br>• पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हों सकेंगे। | या फ़िर अपने गाँव के मेले के दुकानदारों से बातचीत।<br>• अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। लेखन के विविध तरीकों और शैलियों का प्रयोग करते हैं, जैसे-विभिन्न तरीकों से (कहानी, कविता, निबंध आदि) कोई अनुभव लिखना।<br>• दैनिक जीवन से अलग किसी घटना/स्थिति पर विभिन्न तरीके से सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं, जैसे-सोशल मीडिया पर, नोटबुक पर या संपादक के नाम पत्र आदि।<br>• विविध कलाओं, जैसे-हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला और इनमें प्रयोग होने वाली भाषा | • कठिन समय में हिम्मत न हारें - विषय पर स्लोगन / नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन। |
| | **केवल पढने के लिए- पहाड़ से ऊँचा आदमी** (सुभाष गाताड़े) | कुछ पाठ केवल पढ़ने के लिए दिए गए हैं, जो कहीं पाठ के विषय को पोषित करते हैं और कहीं रचना की विविधता प्रस्तुत कर | | | | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | विधा-जीवन प्रसंग/ प्रेरक | विद्यार्थी की रुचि का विस्तार करते हैं। | | | (रजिस्टर) का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं, जैसे- कला के बीज बोना, मनमोहक मुद्राएँ, रस की अनुभूति। | |
| **7** | **कबीर की साखियाँ** (कबीर) | **विधा-साखियाँ / जीवनमूल्य**<br><br>जीवन के विभिन्न अनुभव को लेकर कबीर दास द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रस्तुति | **पूर्ववर्ती कक्षाओं से ली गई विषय वस्तु-**<br>**कक्षा 6**: नए शब्द जोड़कर शब्द निर्माण<br>**कक्षा 7**: तत्सम- तद्भव शब्द<br><br>**व्याकरण:**<br>• पाठांतर्गत व्याकरणिक बिंदु<br>• तत्सम-तद्भव शब्दों का अंतर बोध<br>• देशज अथवा बोलचाल की भाषा में उच्चारण के अनुरूप वर्तनी परिवर्तन की समझ<br>• जीवन-मूल्यों पर आधारित पठित/अपठित पद्यांश का अभ्यास | • 'साखी' और 'दोहे' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे।<br>• भावानुकूल एवं सस्वर वाचन व व्याख्या में सक्षम हो सकेंगे।<br>• दोहों का भावार्थ लिख सकेंगे ।<br>• कबीर की नैतिक दृष्टि को रेखांकित कर सकेंगे ।<br>• पाठांतर्गत व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में सक्षम हो सकेंगे। | • लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं।<br><br>• अभिव्यक्ति की विविध शैलियों/रूपों को पहचानते हैं, स्वयं लिखते हैं, जैसे- कविता, कहानी, निबंध आदि।<br><br>• पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित/ब्रेल भाषा में अभिव्यक्त करते हैं। | • कबीर के दोहों के आधार पर प्रयोग किए गए शब्दों की सूची बनाना और उनके बारे में संक्षिप्त जानकारी एकत्र करना।<br>• कबीर के दोहों को चित्र के माध्यम से अभिव्यक्त करना<br>• देशज शब्दों का उनके हिंदी मानक रूप के साथ सूची बनाना।<br>• रहीम के नीतिपरक दोहों का वाचन |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | **कक्षा - 8**<br>**कार्यपत्रक सं.**- 22,24 | | | |
| | **केवल पढने के लिए- कंप्यूटर गाएगा गीत** (ऋत्विक घटक)<br><br>विधा- लेख/ तकनीक | कुछ पाठ केवल पढ़ने के लिए दिए गए हैं, जो कहीं पाठ के विषय को पोषित करते हैं और कहीं रचना की विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रुचि का विस्तार करते हैं। | | | | |
| | | **आंतरिक मूल्यांकन -** | | | | |
| | | **नोट :-**<br>➢ **उपर्युक्त पाठ्यक्रम 06 सितंबर 2025 तक पूरा कर लिया जाए।**<br>➢ **मध्यावधि परीक्षा हेतु पुनरावृत्ति करवाई जाए।**<br>➢ **पूरक पाठ्य-पुस्तक 'भारत की खोज' (कक्षा-8) अधिगम संवर्धन (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से है। अधिगम संवृद्धि के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इस पुस्तक का उपयोग किया जा सकता है।** | | | | |
| | | **पुनरावृत्ति**<br>**मध्यावधि परीक्षा** | | | | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **क्र.सं** | **वसंत (भाग-3) पाठ-संख्या, शीर्षक व लेखक** | **विधा/ विषयवस्तु** | **व्याकरण और रचनात्मक लेखन** | **अधिगम उद्देश्य** | **अधिगम संप्राप्ति** | **सुझावात्मक गतिविधि/क्रियाकलाप** |
| 8 | **सुदामा चरित** (नरोत्तमदास) | **कविता/ मित्रता**<br><br>सुदामा और श्रीकृष्ण की अनोखी मित्रता, निःस्वार्थ प्रेम, भक्ति भाव, विनम्रता, त्याग एवं सच्चे संबंधों की महत्ता का मार्मिक चित्रण | **पूर्ववर्ती कक्षाओं से ली गई विषय वस्तु-**<br>**कक्षा 6**: तत्सम-तद्भव शब्द<br>**कक्षा 7:** हिंदी मानक रूप<br>**व्याकरण:**<br>• पाठांतर्गत व्याकरणिक बिंदु<br>• अतिशयोक्ति अलंकार प्रयोग व पहचान<br>• काव्य में प्रयुक्त देशज शब्दों के हिंदी मानक रूप<br>**रचनात्मक लेखन-**<br>• 'सच्ची मित्रता' विषय पर अनुच्छेद लेखन<br>• अपने मित्र को सहयोग और समर्थन के लिए आभार प्रकट | • पदों के सस्वर वाचन में समर्थ हो सकेंगे।<br>• पदों का भावार्थ लिख सकेंगे ।<br>• सच्ची मित्रता और त्याग के महत्त्व को रेखांकित कर सकेंगे।<br>• अतिशयोक्ति अलंकार से परिचित हो सकेंगे ।<br>• पाठांतर्गत व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में सक्षम हो सकेंगे। | • विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं, जैसे- पाठ्यपुस्तक में किसी पक्षी के बारे में पढ़कर पक्षियों पर लिखी गई सालिम अली की किताब पढ़कर चर्चा करते हैं।<br>• हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि | • सुदामा और कृष्ण के संवाद पर नाटक तैयार करना।<br>• मित्र के लिए धन्यवाद पोस्टकार्ड तैयार करना।<br>• मित्रता पर आधारित दोहों का संकलन और कक्षा में वाचन करना |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | करते हुए पत्र लिखिए।<br>**कक्षा - 8**<br>**कार्यपत्रक सं-** GS-7,G-11 | | को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।<br>• पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए | |
| **9** | **जहाँ पहिया है**<br>(पी. साईनाथ) | **विधा- रिपोर्ताज / महिला सशक्तीकरण**<br><br>महिला सशक्तीकरण पर आधारित रिपोर्ताज जिसमें महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक प्रगति में साइकिल की उपयोगिता और उससे हुए परिवर्तन का वर्णन है। | **पूर्ववर्ती कक्षाओं से ली गई विषय वस्तु-**<br>**कक्षा 6-** विलोम शब्द<br>**कक्षा 7-** उपसर्ग व प्रत्यय का प्रयोग<br>**व्याकरण-**<br>• पाठांतर्गत व्याकरणिक बिंदु<br>• श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द<br>**रचनात्मक लेखन-**<br>• आपने साइकिल चलाना कैसे सीखा? इस विषय का वर्णन करते हुए मित्र को पत्र लिखिए।<br>• 'महिला सशक्तीकरण' विषय पर अनुच्छेद लेखन/ चित्र वर्णन। | • 'रिपोर्ताज' विधा से परिचित हो सकेंगे ।<br>• सस्वर वाचन करने में समर्थ हो सकेंगे।<br>• लैंगिक भेदभाव के प्रति संवेदनशील हो सकेंगे ।<br>• साइकिल के द्वारा ग्रामीण महिलाओं के जीवन में आई गतिशीलता और स्वाधीनता के महत्त्व को रेखांकित कर सकेंगे ।<br>• पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे। | प्रश्न पूछते हैं।<br>• अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं।<br>• पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक /सांकेतिक भाषा में बताते हैं।<br>• विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों, जैसे- जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाज़ों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं, जैसे-अपने मोहल्ले के लोगों से त्योहार | • महिला सशक्तीकरण के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर समूह में चर्चा।<br>• 'साइकिल - पर्यावरण के अनुकूल एक विनम्र सवारी' विषय पर परियोजना कार्य<br>• समूह में लैंगिक भेदभाव पर आधारित अनुभवों की सूची बनाना और समाधान पर चर्चा |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | **कक्षा - 8**<br>**कार्यपत्रक सं.**- 30,32,34,36 | | मनाने के तरीके पर बातचीत करना। | |
| | **केवल पढने के लिए-**<br>**पिता के बाद**<br>(मुक्ता)<br><br>विधा-कविता/ महिला सशक्तीकरण | कुछ पाठ केवल पढ़ने के लिए दिए गए हैं, जो कहीं पाठ के विषय को पोषित करते हैं और कहीं रचना की विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रुचि का विस्तार करते हैं। | | | • किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। उसके कारण जानने की कोशिश करते हैं, जैसे- अपने आस-पास रहने वाले परिवारों और उनके रहन-सहन पर सोचते हुए प्रश्न करते हैं-जैसे रामू काका की बेटी स्कूल क्यों नहीं जाती? | |
| **10** | **अकबरी लोटा**<br>(अन्नपूर्णानंद वर्मा) | **विधा- कहानी/ सूझबूझ**<br><br>मित्र की सहायता करने के लिए सूझ-बूझ का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं । | **पूर्ववर्ती कक्षाओं से ली गई विषय वस्तु-**<br>**कक्षा 6-** कारक चिह्न: पहचान<br>**कक्षा 7-** कारक चिह्न: भेद<br>**व्याकरण-**<br>• पाठांतर्गत व्याकरणिक बिंदु<br>• कारक चिह्नों का वाक्य में प्रयोग का अभ्यास<br>• मुहावरे और लोकोक्तियों के अर्थ व वाक्य प्रयोग | • सस्वर वाचन करने में समर्थ हो सकेंगे।<br>• सूझबूझ से समस्या का हल निकालने के गुण का विश्लेषण कर सकेंगे ।<br>• मित्र की सहायता करने के गुण को आत्मसात कर सकेंगे।<br>• पाठ का सार लिख सकेंगे । | • विभिन्न प्रकार की सामग्री, जैसे कहानी, कविता, लेख, रिपोर्ताज, संस्मरण, निबंध, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु को खोजते हैं।<br>• पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। | • 'संग्रहालय क्यों होते हैं? विषय पर चर्चा।<br>• 'बिलवासी जी की सूझबूझ- मित्र की सहायता करना कम, पर्यटक को धोखा देना अधिक है।' विषय पर वाद-विवाद। |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | • पठित / अपठित गद्यांश का अभ्यास<br>**रचनात्मक लेखन-**<br>• पाठ से अपने प्रिय पात्र की चारित्रिक विशेषता लेखन।<br>• कहानी के अंत को दूसरे ढंग से लिखना।<br><br>**कक्षा - 8**<br>**कार्यपत्रक सं.**- 35,38,40,42 | • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे। | • विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।<br>• कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं, जैसे- वर्णनात्मक, विवरणात्मक, भावात्मक, प्रकृति चित्रण आदि। | |
| **11** | **सूर के पद** (सूरदास) | **विधा- पद / वात्सल्य**<br><br>श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप और बाल-लीलाओं के माध्यम से वात्सल्य और भक्ति का भाव प्रस्तुत करते पद | **पूर्ववर्ती कक्षाओं से ली गई विषय वस्तु-**<br>**कक्षा 6** - पर्यायवाची: पहचान<br>**कक्षा 7** - पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग<br>**व्याकरण-**<br>• पाठांतर्गत व्याकरणिक बिंदु<br>• पर्यायवाची शब्दों की सूची<br>• वात्सल्य और भक्ति पर आधारित | • पदों के सस्वर वाचन में समर्थ हो सकेंगे।<br>• पदों का भावार्थ लिख सकेंगे ।<br>• भक्तिकालीन काव्य से परिचित हो सकेंगे ।<br>• कृष्ण के बाल-स्वरूप का वर्णन कर सकेंगे ।<br>• पाठांतर्गत व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए | • विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं और अपने स्तरानुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं।<br>• किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए ज़रूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे- शब्दकोश, विश्वकोश, | • सूरदास के पदों की कक्षा में प्रस्तुति।<br>• सूर के अतिरिक्त अन्य कृष्णभक्त कवियों की सचित्र सूची बनाना। |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | पठित/अपठित पद्यांश/गद्यांश का अभ्यास<br>**रचनात्मक लेखन-**<br>• अपने छोटे भाई-बहनों की बालसुलभ चेष्टाओं और शरारतों को केंद्र में रखकर कविता-लेखन<br><br>**कक्षा - 8**<br>**कार्यपत्रक सं.- 37, 39** | उनका भाषिक प्रयोग करने में सक्षम हो सकेंगे। | मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।<br>• पढ़ने और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं।<br>• पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित या ब्रेल भाषा में अभिव्यक्ति करते हैं। | |
| **12** | **पानी की कहानी** (रामचंद्र तिवारी) | **विधा- निबंध / विज्ञान विषयक**<br><br>पानी की बूँद का मानवीकरण करते हुए जल-चक्र की विभिन्न अवस्थाओं की जानकारी। | **पूर्ववर्ती कक्षाओं से ली गई विषय वस्तु-**<br>**कक्षा 6-** पर्यायवाची शब्द<br>**कक्षा 7-** वाक्यांश के लिए एक शब्द<br><br>**व्याकरण-**<br>• पाठांतर्गत व्याकरणिक बिंदु<br>• वाक्यांश के लिए एक शब्द | • 'निबंध' विधा के बारे में जान सकेंगे।<br>• सस्वर वाचन में सक्षम हो सकेंगे।<br>• जल-चक्र के विभिन्न चरणों से परिचित हो सकेंगे ।<br>• जीवन में पानी के महत्व को रेखांकित कर सकेंगे । | • भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे-कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना।<br>• विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं, जैसे- स्कूल के किसी कार्यक्रम की रिपोर्ट बनाना | • जल संरक्षण विषय पर अनुच्छेद लेखन।<br>• पानी से जुड़े मुहावरों का मूक अभिनय करना।<br>• जल चक्र का चित्र बनाना और कक्षा में समझाना। |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | • द्वंद्व समास परिचय व उदाहरण<br>• अपठित बोध अभ्यास<br>**रचनात्मक लेखन-**<br>• अनुच्छेद लेखन/चित्र वर्णन का अभ्यास<br><br>**कक्षा - 8**<br>**कार्यपत्रक सं-** 04, 41, G-11 | • पाठांतर्गत व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में सक्षम हो सकेंगे। | या फ़िर अपने गाँव के मेले के दुकानदारों से बातचीत।<br>• अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। लेखन के विविध तरीकों और शैलियों का प्रयोग करते हैं, जैसे-विभिन्न तरीकों से (कहानी, कविता, निबंध आदि) कोई अनुभव लिखना। | |
| | **केवल पढने के लिए-**<br>हम पृथ्वी की संतान (प्रभु नारायण)<br><br>विधा-आलेख / पर्यावरण | कुछ पाठ केवल पढ़ने के लिए दिए गए हैं, जो कहीं पाठ के विषय को पोषित करते हैं और कहीं रचना की विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रुचि का विस्तार करते हैं। | | | • दैनिक जीवन से अलग किसी घटना/स्थिति पर विभिन्न तरीके से सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं, जैसे-सोशल मीडिया पर, नोटबुक पर या संपादक के नाम पत्र आदि।<br>• विविध कलाओं, जैसे-हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला और इनमें प्रयोग होने वाली भाषा (रजिस्टर) का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं, जैसे- कला | |
| **13** | **बाज और साँप**<br>(निर्मल वर्मा) | **विधा - कहानी/ बोध कथा** | **पूर्ववर्ती कक्षाओं से ली गई विषय वस्तु-**<br>**कक्षा 6-** संज्ञा शब्द पहचान | • सस्वर वाचन में सक्षम हो सकेंगे। | | • जीवन में जोखिम लेने और सुरक्षित रहने पर वाद- |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | बाज और साँप के माध्यम से स्वतंत्रता, साहस और भय के भाव को मुखर किया गया है। | **कक्षा 7-** संज्ञा के भेद और उदाहरण<br><br>**व्याकरण-**<br>• पाठांतर्गत व्याकरणिक बिंदु<br>• पाठ में संज्ञा शब्दों को भेदों के आधार पर वर्गीकृत करना<br>• मुहावरों का वाक्य प्रयोग<br>• प्रत्यययुक्त शब्दों की सूची बनाकर मूल शब्द व प्रत्यय अलग करके लिखना<br>**रचनात्मक लेखन-**<br>• 'बाज और साँप' के स्वभाव व जीवनशैली में अंतर बताते हुए तालिका बनाइए और बताइए कि 'बाज और साँप' में से किसके गुण अपनाना चाहेंगे व क्यों?<br><br>**कक्षा - 8** | • कायरता और निडरता के बीच अंतर कर सकेंगे।<br>• जीवन में जोखिम लेने और सुरक्षित रहने के भाव का आकलन कर सकेंगे ।<br>• पाठांतर्गत व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में सक्षम हो सकेंगे। | के बीज बोना, मनमोहक मुद्राएँ, रस की अनुभूति।<br>पढ़ने और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं।<br>• अभिव्यक्ति की विविध शैलियों/रूपों को पहचानते हैं, स्वयं लिखते हैं, जैसे- कविता, कहानी, निबंध आदि।<br>• पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित/ब्रेल भाषा में अभिव्यक्त करते हैं। | विवाद आयोजित करना।<br>• कहानी का नाट्य रूपांतरण प्रस्तुत करना।<br>• विद्यार्थियों से उनके व्यक्तिगत अनुभव साझा करने को कहना।<br>• कहानी का संप्रत्यय मानचित्र (कॉनसेप्ट मैप) बनाना। |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | **कार्यपत्रक सं-** 03,04,05,G-16 | | | |
| | **शब्दकोश** | | | | | • शब्दकोश के प्रयोग को सिखाएँ।<br>➢ क्रमबद्ध शब्दों का प्रयोग<br>➢ व्याकरणिक जानकारी (शब्द संक्षेप का अर्थ)<br>➢ संदर्भगत अर्थ |
| | | **आंतरिक मूल्यांकन -** | | | | |
| | | **नोट :-**<br>➢ **उपर्युक्त पाठ्यक्रम 31 जनवरी 2026 तक पूरा कर लिया जाए।**<br>➢ **वार्षिक परीक्षा में समस्त पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।**<br>➢ **वार्षिक परीक्षा हेतु समस्त पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति करवाई जाए।**<br>➢ **पुस्तक पाठ्य-पुस्तक 'भारत की खोज' कक्षा-8 अधिगम संवर्धन (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से है। अधिगम संवृद्धि के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इस पुस्तक का उपयोग किया जा सकता है।** | | | | |
| | | **समस्त पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति**<br><br>**वार्षिक परीक्षा** | | | | |

DOE